(xxi) Need to undertake extensive relief measures in drought-bit districts of Eastern Uttar Pradesh

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : मान्यवर, आपके माध्यम से मैं सिचाई मंत्री का ध्यान देश के सूखा एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों की ओर ले जाना चाहता हूं। इन दिनों पूर्वी उत्तर प्रदेश में भयानक सूखा पड़ा हुआ है। खेतों में खड़ी फसलें पानी के अभाव में सूख रही हैं। मक्का, ज्वार, बाजरा की मुख्य फसलें पानी के अभाव में बर्बाद हो गई हैं।

सिचाई के साधनों का बुरा हाल है। नलकूप और नहरों का होना न होना एक समान है। इस बात को कहने में कोई संकोच नहीं की राज सरकारों द्वारा लगाए गये नए नलकूप आज काम नहीं कर रहे हैं। किसी की मशीन खराब है तो किसी से पानी नहीं निकलता। बिजली सप्लाई के बारे में कहा जाता है कि किसानों को बिजली आठ घंटे मिलती है पर पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर ग्रामीण इलाकों में विगत दो माह से बिजली की आपूर्ति का औसत दो घंटे में भी कम रहा है। परिणामस्वरूप राजकीय ट्यूबवैल व निजी पंपिंग सैट बेकार है। सिचाई की कौन कहे पीने के पानी का भी अभाव है।

पशुओं के लिए चारे की समस्या है। हरा चारा ही नहीं, बल्कि भूसा भी नहीं है। आदमी और जानवर को जीवन गुजारे यह एक प्रश्न है। एक ओर मैदानों में तो पानी नहीं है, दूसरी ओर गंगा, गोमती, घाघरा, सई, तथा करुणा आदि नदियों में बाढ़ आई हुई है। नदियों के किनारे की फसलें पानी में डूब गई हैं। बाढ़ के पानी से मकान गिर रहे हैं। लोग शिविरों में रह रहे हैं। मौसम की इस विषतता से तरह-तरह की नई बीमारियां फैल गई हैं। बाढ़, सूखा और बीमारी से भीषण तबाही है। इतनी भयंकर समस्या कभी देखने में नहीं आई थी।

अतः ऐसी विकट परिस्थितियों में माननीय सिचाई मंत्री से अनुरोध करूंगा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर आदि जिलों में सिचाई के साधनों की शीघ्रातिशीघ्र ठीक किया जाय। राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए कि किसानों के लगान की वसूली बन्द हो, और नये लगान माफ हों, छात्रों को पुस्तकीय तथा विशेष वित्तीय सहायता देकर उनकी फीस माफ की जाय। बाढ़ पीड़ितों को मकान बनाने के लिये अनुदान दिये जायें। प्रत्येक खंड विकास क्षेत्रों में गरीबों, मजदूरों को भुखमरी से बचाने के लिये टैस्ट वर्क चालू कराये जायें।

(xxii) Supply of banned and old stock of medicines by the World University Services Centre of Delhi University

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : मान्यवर, दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र World University Services (WHS) में ऐसी पुरानी दवाईयां दी जाती हैं जिनके उपयोग की तारीख वर्षों पहले सत्य हो चुकी होती है। एक डाक्टर ने इस खतरनाक स्थिति की ओर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और चेंयरमैन, मैनेजिंग कमेटी तथा कुलपति का ध्यान आकृष्ट किया लेकिन हालात में कोई परिवर्तन नहीं आया। विश्वविद्यालय की कर्मचारी यूनियन और विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद् के दो सदस्यों ने कुलपति को पत्र लिखकर जांच कराने की मांग की है। इस तरह की दवाइयां अन्य जगहों में भी